प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जैविक कृषि पर वर्चुअल प्रशिक्षण

पंतनगर। 01 मई 2021। विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबन्ध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा संयुक्त तत्वाधान में तीन–दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण 'जैविक कृषि' विषय पर प्रसार शिक्षा निदेशालय के समेटी–उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा; सहायक निदेशक (कृषि विस्तार) मैनेज, डा. पी.एल. मनोहारी एवं राष्ट्रीय जैविक कृषि केन्द्र, गाजियाबाद के पूर्व निदेशक, डा. ए.के. यादव ने जैविक कृषि के महत्व, इसके लाभ, जैविक कृषि का बाजार, इसके उत्पादों का प्रमाणीकरण इत्यादि के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को इसको बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया।

प्रशिक्षण में राष्ट्रीय कृषि जैविक केन्द्र, गाजियाबाद के पूर्व निदेशक, डा. ए.के. यादव; राष्ट्रीय कृषि जैविक केन्द्र, गाजियाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर से कनिष्ठ शोध अधिकारी, डा. वी. प्रवीण कुमार; मैनेज हैदराबाद से डा. पी.एल. मनोहारी, डा. एम.ए. करीम एवं पंतनगर विश्वविद्यालय से डा. जे. कुमार, प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान; डा. अनिल कुमार शर्मा, निदेशक प्रसार शिक्षा; डा. धनंजय कुमार सिंह एवं डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान; डा. अलका वर्मा, सहायक प्राध्यापक सब्जी विज्ञान; डा. एस.के. यादव, सहायक प्राध्यापक सस्य विज्ञान; इत्यादि वैज्ञानिकों द्वारा जैविक कृषि की महत्ता, जैविक फसल एवं सब्जी उत्पादन, जैविक कृषि प्रसार के तकनीक, समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन, जैविक कीट–रोग नियंत्रण, जैविक प्रमाणीकरण की विधियां एवं परम्परागत कृषि ज्ञान का महत्व जैसे विषयों पर विस्तार से व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तिम दिवस में प्रगतिशील कृषक, जनपद–बुलन्दशहर, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, ने प्रशिक्षण में प्रतिभागियों से जैविक कृषि से संबंधित अपने अनुभवों को विस्तार से साझा किया और कृषकों को इस क्षेत्र को विस्तारित करने की सलाह भी दी।

इस प्रशिक्षण में विभिन्न राज्यों उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडू इत्यादि के कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, सहायक प्राध्यापक, आतमा के अधिकारी, नाबार्ड, उद्यमी एवं प्रगतिशील कृषकों सहित कुल 65 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राध्यापक सस्य विज्ञान एवं समन्वयक समेटी, डा. बी.डी. सिंह के देख–रेख में सम्पादित कराया गया। प्रशिक्षण आयोजन में कु. अनीता यादव एवं श्री जगदीश चन्द्र ने भी अपना योगदान दिया गया।

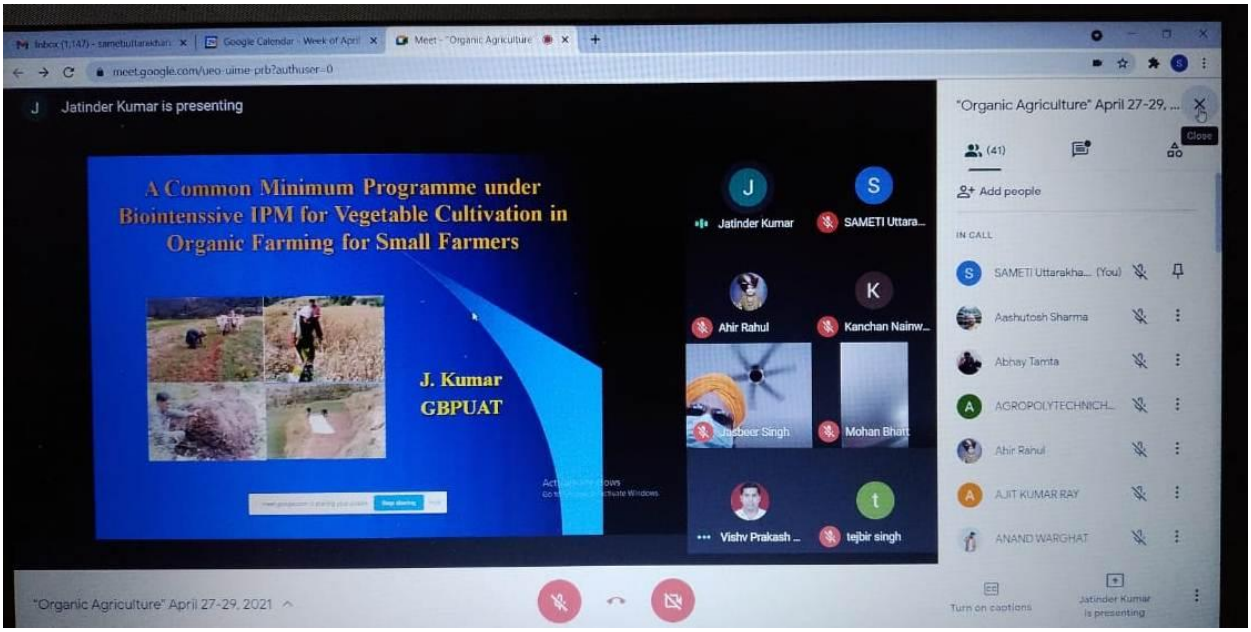

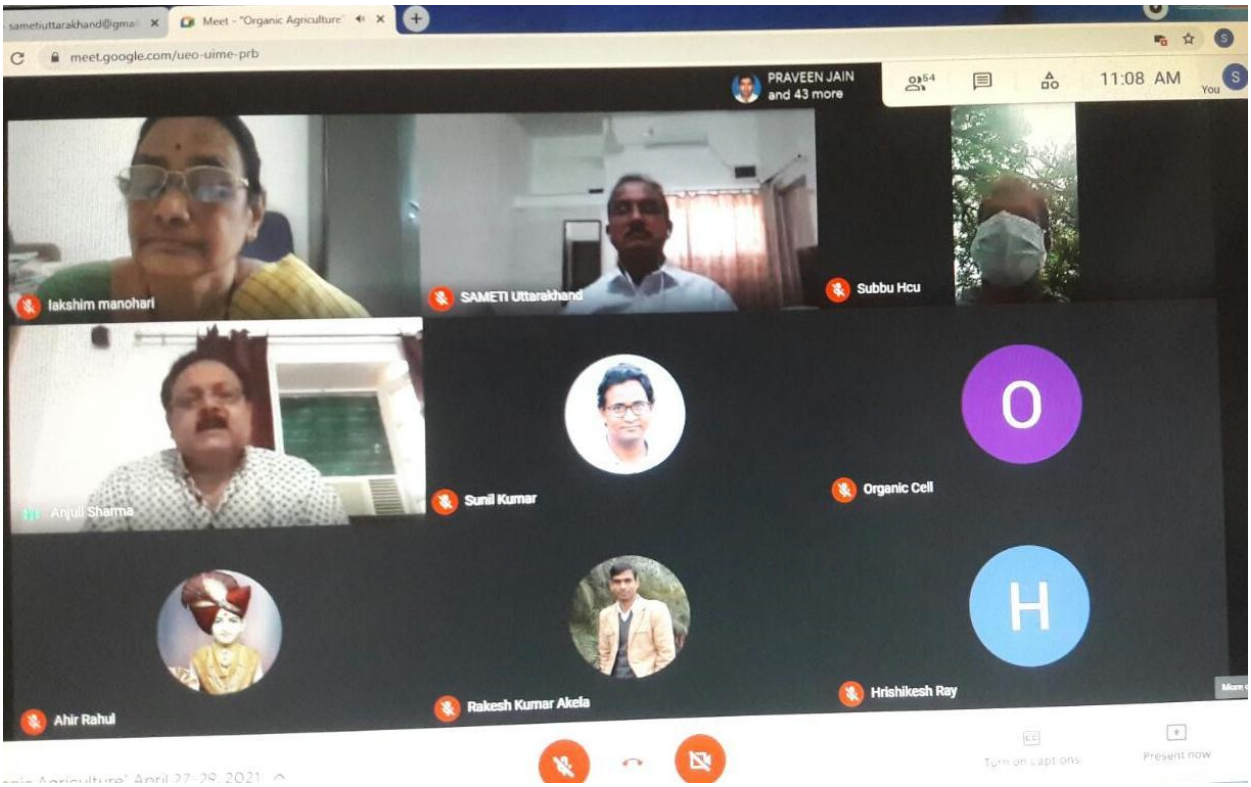

चित्र 1एवं 2: वर्चुअल मोड पर कृषकों को प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक।